वार्तालाप-558, राइटरपुर (नेपाल), दिनांक 30.04.08
Disc.CD No.558, dated 30.4.08 at Writerpur (Nepal)

समयः 09.08-11.42

जिज्ञासुः बाबा, बोला है एक ही ट्रेन चलेगी माऊंट आबू जाने के लिए।

बाबाः जैसे माउन्ट आबू में बाद में आये। पहले तो कराची में थे ना लेकिन कराची में जाने से पहले हिन्दुस्तान पाकिस्तान का बंटवारा हुआ, झगड़ा हुआ। जोर से खून खराबा हुआ उस समय जो ट्रेन जानी थी वो चली गई पहली ट्रेन। अब वो ट्रेन चाहे बैंगलोर से गई हो, चाहे बम्बई से गई हो, चाहे कलकत्ता से गई हो। पहली ट्रेन जो निकल गई कराची के लिए वो तो निकल गई साफ बाकी जो दूसरी ट्रेन चली वो सब काट ￾ाली गई।

जिज्ञासुः अभी बाद में भी ऐसा ही हिसाब होगा?

बाबाः ऐसा ही होगा।

Time: 09.08-11.42

Student: Baba, it has been said that only one train will run to Mount Abu.

Baba: For example, they (the gathering at Karachi) came to Mount Abu later; initially there were in Karachi, weren't they? But before going to Karachi, the partition of India and Pakistan took place, a fight took place. There was a lot of bloodshed; at that time, the first train that was to go went; well, whether that train went from Bangalore, from Bombay [or] from Calcutta. The first train that left for Karachi went safely. The (passengers of the) next train were cut into pieces.

Student: Will the same thing happen later as well?

Baba: The same thing will happen.

जिज्ञासुः तो फिर ट्रेन की जहाँ सुविधा नहीं हैं वहाँ ऐसे दुर्गम क्षेत्र में जो होगा वो कैसे जायेंगे फिर बाबा?

बाबाः जो बस निकली; जो बस निकल गई पहली सो निकल गई। बाकी जो दूसरी बस जाएगी वो काटी जाएगी। इसलिए बोला है कि ट्रंकॉल मिलेगा तुम बच्चों को। फोन की आवाज़ नहीं आएगी, फोन की घन्टी नहीं आएगी। जिनका बुद्धि योग बाप के साथ लगा होगा उनको ट्रंकॉल मिलेगा - चलो!

जिज्ञासुः समझ मिल जाएगी। फिर भागना पड़ेगा।

Student: Then Baba, how will those who live in such inaccessible areas where the facility of trains is not available leave?

Baba: Whichever bus left; the first bus which left, left [safely]. The (passengers of the) next bus that will leave will be cut into pieces. This is why it has been said that you children will get a trunk call. You would not hear the sound of the phone; you will not hear the bell of a telephone. Those, whose connection of the intellect is connected with the Father, will get a trunk call: Come on!

Student: We will get the thought and then we will have to run.

दूसरा जिज्ञासु: साढे चार लाख आत्मायें वहा पहुँच जाएंगी बाबा?

बाबा: कहाँ?

जिज्ञासु: माउन्ट आबू।

बाबा: इसमें कोई शक है क्या?

जिज्ञासु: एक साथ पहुचेंगी?

बाबा: एक साथ क्यों पहुँचेंगी? परमधाम में एक साथ पहुँचते हैं?

जिज्ञासु: वहाँ जाना भी नम्बरवार होगा?

बाबा: अरे, जब परमधाम में नम्बरवार पहुँचते हैं, नम्बरवार आते हैं। तो साकार जो परमधाम बनेगा। जहाँ सबकी संगठित रूप में आत्मिक स्टेज बनेगी वहाँ भी नम्बरवार पहुचेंगे और नम्बरवार ही वापस आवेंगे।

जिज्ञासु: जो ट्रेन छूटने का बताया बाबा ने...

बाबा: हाँ, हाँ, माउन्ट आबू की तरफ चारों तरफ से ट्रेन जाने आने वाली होती है या नहीं?

जिज्ञासु: नम्बरवार जायेंगे?

बाबा: नम्बरवार जायेंगे। अरे, पहली ट्रेन से जो निकल गए सो निकल गए बाकी रह गए सो रह गए ।

Another student: Will the 450 thousand (four and a half lakh) souls reach there Baba?
Baba: Where?
Student: Mount Abu.
Baba: Is there any doubt in this?
Student: Will they reach at the same time?
Baba: Why will they reach at the same time? Do they reach the supreme abode at the same time?
Student: Will we go there number wise (according to our rank)?
Baba: Arey, when you reach the supreme abode number wise, [and] come from there number wise, then the corporeal supreme abode that will be established, where everyone will achieve the soul conscious stage in a collective form; we will reach there number wise and come back from there number wise itself.
Student: As regards the subject of the leaving of the trains that Baba said…
Baba: Yes, yes, are there trains that come and leave from everywhere in Mount Abu or not?
Student: Will they go number wise?
Baba: They will go number wise. Arey, those who left by the first train left [safely] and those who were left will not reach.

समयः 14.00-15.30

जिज्ञासुः बाबा, जैसे ट्रंकॉल आएगा बताए तो १८ के बाद आएगा या पहले?

बाबाः एक टाइम ऐसा होता है जिसमें बांधेली मातायें सब छुटेली हो जाती हैं। जैसे सन् 47 में हिन्दुस्तान पाकिस्तान का जब झगड़ा हुआ था तो जिन-जिन कन्याओं माताओं को सात-सात तालों के अन्दर ▯ाला गया था; भागने वाले भाग गए छोड़ छाड़ करके उन्हें पता ही नहीं चला ये लोग कहाँ चले गए। क्योंकि वो अपनी जान बचा करके भागे। उनको अपना रास्ता मिल गया।

ऐसे ही अंत मे भी होगा। नहीं तो आखरीन ये जो माताएं हैं जो बांधेली हुई पड़ी हैं उनको कोई रास्ता मिल ही नहीं रहा हैं। आखिर उस अति का अंत होगा या नहीं होगा?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा आखरी में ऐसे तो नहीं हैं कि जब बेसिक में इधर आ नहीं पा रहे हैं और बेसिक में जो राम बाप को मानते हैं। सी.डी. भी छुपके सुनते हैं बांधेली टाईप से रहती हैं...

Time: 14.00-15.30

Student: Baba, for example it is said that a trunk call will come; so, will it be come after 2018 or before that?

Baba: There is such a time when all the mothers in bondage become free. For example, when there was a fight between India and Pakistan, the virgins and mothers who were kept inside seven locks; those who had to run away ran away leaving everything. They did not come to know at all they (the virgins and mothers in bondage) went because they ran for their safety. They (the virgins and mothers) found their way. It will happen like this in the end as well. Otherwise, ultimately, the mothers who are in bondage are unable to find any way; ultimately, will that extremity come to an end or not?

Another Student: Baba, in the end, is it not that those who follow the basic (knowledge) and are unable to come here, those who accept the father Ram in the basic (knowledge), they listen to the CDs stealthily and live like those under bondage…

बाबा: अरे जब त्रिमूर्ति में ही एक बकरी है। तो बकरी के और फालोवर्स नहीं होंगे ढेर के ढेर?

जिज्ञासु: जब उनके लिए अंत में वैसे ही क्या वर्ल्डवार टाईप से होगा?

बाबा: वर्ल्डवार बाद की बात है पहले ब्राह्मणों की वर्ल्ड में वार होगी कि बाहर की दुनियां में वार होगी?

जिज्ञासुः ब्राह्मणों की दुनियां में।

बाबाः फिर?

जिज्ञासुः तभी उनको छुटकारा मिलेगा?

बाबाः हाँ, जी।

Baba: Arey, when there is a goat among the three personalities themselves, will there not be many more followers of the goat?

Student: Will the same thing happen in the end for them? Will it happen like a world war?

Baba: World war is a latter issue. Will the war take place first in the world of Brahmins or will it take place in the outside world?

Student: In the world of Brahmins.

Baba: Then?

Student: It is only then that they will get freedom.

Baba: Yes.

समयः 15.35-19.30

जिज्ञासुः बाबा, ये जो सारी सूर्यवंशी आत्माएं आदि में राम बाप के साथ चली गई थी वो आत्मा कराची तक पहुँची थी क्या?

बाबाः वो सच्चा स्वर्ग स्थापन करेगें या डुप्लीकेट स्वर्ग स्थापन करेगें?

जिज्ञासु: सच्चा स्वर्ग स्थापन करेंगी।

बाबा: फिर कराची में जो मॉडल बना था। वो सच्चा स्वर्ग था कि मॉडल था? अरे, अजमेर में भक्तिमार्ग मे जो मॉडल बनाया हुआ है स्वर्ग का वो सच्चा स्वर्ग है या सिर्फ मॉडल मात्र है?

जिज्ञासु: वो तो मॉडल है।

Time: 15.35-19.30
Student: Baba, did all the *Suryavanshi* souls which had departed (from the *yagya*) in the beginning along with father Ram reach Karachi?
Baba: Will they establish a true heaven or a duplicate heaven?
Student: They will establish a true heaven.
Baba: Then the model which was created in Karachi; was it a true heaven or just a model? Arey, the model of heaven that has been prepared in the path of *bhakti* in Ajmer; is it a true heaven or just a model?
Student: It is [just] a model.

बाबा: तो उसकी शूटिंग कहाँ हुई?

जिज्ञासु: कराची में हुई बाबा।

बाबा: हाँ, उसकी तो शूटिंग कराची में हुई।

दूसरा जिज्ञासु: बाबा मुरली कराची से निकली ऐसे बोलते हैं। लेकिन ये प्रूफ है कि मुरली 51 से ही माउण्ट आबू में मुरली शुरू की।

बाबा: 51 से उसकी कॉपियां निकलने लगी। 51-52 से क्योंकि माताएं कन्याएं जो सरेन्डर हुई पड़ी थी वो सब बाहर जाने लगी। उनको कॉपियां चाहिए। उसकी कॉपियां निकलने लगी उससे पहले कॉपियां निकलती नहीं थी।

जिज्ञासु: और पिउ की वाणी किसके मुख से हुई थी?

बाबा: पिउ कहा जाता है बाप को। बाप कौन है?

जिज्ञासु: बाप तो राम बाप है।

बाबा: प्रजापिता। प्रजापिता की वाणी उसी को पिउ की वाणी कहा गया है।

Baba: So, where did its shooting take place?
Student: It took place in Karachi Baba.
Baba: Yes, its shooting took place in Karachi.
Another Student: Baba, it is said that the Murlis began [to be narrated] from Karachi. But there is a proof that the Murlis began [to be narrated] at Mount Abu only from 1951.
Baba: Its copies began to be issued from 1951, from 1951-52 because the virgins and mothers who had surrendered started going out. They required its copies. Its copies were issued; before that, the copies did not used to be issued.
Student: And through whose mouth was the Piu vani narrated?
Baba: The Father is called *Piu*. Who is the father?
Student: The father is the father Ram.
Baba: Prajapita. The *vani* of Prajaipita was called '*Piu's vani'*.

जिज्ञासु: पिउ की वाणी बाबा कहाँ चली थी?

बाबा: कराची से पहले। कराची से पहले जो वाणी 2 बजे बैठ करके बाबा लिखते थे और बाप लिखाते थे वो उससे पहले की बात है।

जिज्ञासु: पिउ की वाणी उससे पहले की बात है।

बाबा: हाँ जी। कराची से ब्रह्मा के मुख से मुरली निकलती चली आ रही है।

जिज्ञासु: माना पिउ की वाणी कराची में नहीं चली?

बाबा: नहीं।

जिज्ञासु: जो पिउ की वाणी है वो सिंध, हैदराबाद में?

बाबा: सिंध, हैदराबाद में।

Student: Baba, where was the '*Piu's vani'* narrated?
Baba: Before (the days of) Karachi. Before (the days of) Karachi, the *vani* that Baba used to sit and write at 2 AM and the Father used to make him write; that took place before this (*Piu vani*). That is an issue prior to those days (of Karachi).
Student: *Piu vani* is related to a period prior to that?
Baba: Yes. Murlis were narrated from the mouth of Brahma from (the days of) Karachi.
Student: That means, the '*Piu's vani'* was not narrated in Karachi.
Baba: No.
Student: So, was the '*Piu's vani'* narrated in Sindh, Hyderabad?
Baba: In Sindh, Hyderabad. Yes.

जिज्ञासु: और जो रात को 2 बजे लिखते थे लिखाते थे तो ये आदि ब्रह्मा गीता माता के थ्रू है या सेवकराम वाली आत्मा के थ्रू है?

बाबा: दोनों के थ्रू हो सकता है। बाप है तो बाप है, नहीं तो बाप माताओं में प्रवेश करके नहीं बोल सकता? वाणी तो बाप की ही कही जायेगी।

जिज्ञासु: संदूक में रखी हैं। दादियाँ बहुत डरती हैं पिउ की वाणी से। सुनने में, सुनाने में ऐसा क्या उस वाणी में क्या कहा था जो आज भी कांपते हैं?

बाबा: अभी वाणी में क्या है? जो आदि में था सो अभी भी है। अभी क्यों कांपती हैं उन वाणियों को प्रत्यक्ष करने में?

जिज्ञासु: अभी तो जो सही बातें हैं वो निकलती हैं मुरली में।

बाबा: पहले शार्ट में थी अभी विस्तार में सुनाया जा रहा है। सच्चाई सर के ऊपर चढ़करके बोलती है। पहले छोटा रूप था सच्चाई का। अभी बड़े रूप में सामने आने वाला हैं।

जिज्ञासु: जो कराची में छुपाई गई हैं वाणी वो निकलेंगी बाबा अंत में?

बाबा: टाईम आयेगा तो निकलेंगी। सच्चाई तो निकलनी ही निकलनी है।

जिज्ञासु: बक्से के अंदर से ही निकालेंगे?

बाबा: क्यों? पुराने-पुराने भोजपत्र नहीं है जो मिल गए हज़ारों साल पुराने?

Student: And as regards [the *vani*] that he (Brahma Baba) used to write [and] He used to dictate at 2 AM; was it through Adi Brahma Gita Mata or through the soul of Sevakram?
Baba: It could be through both of them. As long as the father exists, it is the father [through whom He spoke]; otherwise can't the Father enter in the mothers and speak? It will be said to be the *vani* of the Father Himself.
Student: It (the *Piu vanis*) is kept in a box, the dadis fear to listen to it, to narrate it a lot. What did that *vani* contain that they shiver [to hear it] even to this day?
Baba: What do the *vanis* contain now? Whatever was there in it in the beginning is there even now. Why do they shiver to reveal those *vanis* now?
Student: Now the correct versions emerge in the Murlis.
Baba: Earlier it was in short and now it is being narrated in elaboration. The truth speaks aloud. Initially it was a small form of truth. Now it is going to come in front in a big form.
Student: Now, will the *vani* that has been hidden in Karachi emerge in the end Baba?
Baba: When the time comes, it will emerge. The truth is bound to emerge.
Student: Will they take it out from the very boxes?
Baba: Why? Are there not the thousands of years old manuscripts (*bhojpatra*) that have emerged?

समयः 19.40- 20.35

जिज्ञासुः बाबा, स्वर्ग और वैकुण्ठ में क्या अंतर है?
बाबाः वैकुण्ठ कहा जाता हैं संगमयुगी स्वर्ग को और स्वर्ग वहाँ कहा जाता है जहाँ स्वस्थिति में चले जाते हैं सब। ग माना गये, स्व माना स्व, स्वस्थिति। माना जहाँ सब आत्मिक स्थिति में रहते हैं वो हैं स्वर्ग। और संगमयुग में? संगमयुग में पुरूषार्थी जीवन है। पुरूषार्थी जीवन में भी जो सम्पन्नता की स्टेज का अनुभव करते जाते हैं वो ही वैकुण्ठ वासी हैं। वैकुण्ठ कहो, पैरा□ाईज कहो, जन्नत कहो, ये जो मुसलमानों के ग्रन्थों, अंग्रजों के ग्रन्थों में, हिंदुओं के ग्रन्थों में जिस वैकुण्ठ का गायन है वो तो यहां संगमयुग की बात है। स्वर्ग की कोई हिस्ट्री तो कोई शास्त्रों में है ही नहीं।

Time: 19.40- 20.35
Student: Baba, what is the difference between heaven (*swarg*) and *vaikunth*?
Baba: The Confluence-Age heaven is called *vaikunth*. And the place where everyone goes in the self stage (*swasthiti*) is called *swarg*. *Ga* means went, *swa* means self. Self stage. It means the place where everyone lives in the soul conscious stage is called *swarg* (heaven). And in the Confluence Age? It is *purusharthi* life (life of making spiritual effort) in the Confluence Age. All those who go on experiencing the stage of perfection in the *purusharthi* life are residents of *vaikunth*. Call it *vaikunth*, paradise, *jannat*; the *vaikunth* that is praised in the scriptures of the Muslims, the Christians, the Hindus is a subject of the Confluence Age. There is no history of heaven in the scriptures at all.

समयः 20.44-23.02

जिज्ञासुः जो रानी मक्खी बाबा निकलेगी तो उनके पीछे-2 पूरा झाड़ उड़ जायेगा। तो वो समय कब होगा बाबा?

बाबा: लौकिक दुनियां में जो शहद की मक्खी हाती है वो अपना घर बदलती है या नहीं? जब घर बदलती है तो ठिकाना दूसरा बनाती है। जहां ठिकाना बनाती है वहां पहले से निश्चित कर लेती हैं की नहीं?

जिज्ञासु: हां ।

बाबा: ऐसे ही है। ऐसे थो□□ही है कि ब्रह्माकुमारियों को ज्ञान का पता नहीं चल रहा है। ए□वान्स ज्ञान की मालुमात नहीं हो रही है। कितना भी छुपाया जाए तो भी अंदर2 वो बात फैल रही है तेजी से। बड़ी-2 ब्रह्माकुमारियाँ दरवाजा बंद करके आपस में लेन-देन करती हैं। असिस्टेन्ट बहनों से छुपाया जाता है। अंदर-अंदर चोर बाज़ारी चलती रहती है।

Time: 20.44-23.02
Student: Baba, when the queen bee comes, the entire tree (swarm) will follow her. So, when will that time come Baba?
Baba: In the *lokik* world, does a honeybee change her home or not? When she changes her home, she changes her destination. Does she decide the destination before making her home or not?
Student: Yes.
Baba: It is the same thing [here]. It is not that the Brahmakumaris are not aware of the knowledge or that they do not know the advance knowledge; however much they may hide it, yet the news is spreading very fast internally. The senior Brahmakumaris exchange views on this topic in closed doors. It is hidden from the assistant sisters. The smuggling goes on inside.

जिज्ञासु: उनके आना का टाईम?

बाबा: प्रत्यक्षता का टाईम कौनसा है?

जिज्ञासु: वो ही पूछ रहा हूँ बाबा प्रत्यक्षता का टाईम कब होगा रानी मक्खी का?

बाबा: अरे, अभी तक ये ही बुद्धि में नहीं आया कि प्रत्यक्षता का टाईम कौनसा है?

जिज्ञासु: वो सब झुं□ के झुं□ लेके आयेगी।

बाबा: एक के पावन बनने से सब पावन बन जाते हैं। एक के पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं।

जिज्ञासु: माना वो ही टाईम होगा 18।

बाबा: बिल्कुल। उसीको तो भागवत कहेंगे। अभी कोई भागवत थो□□ही है, अभी तो ये सब बैल निकल रहे हैं कि गाय निकल रही हैं?

जिज्ञासु: बैल निकल रहे हैं।

बाबा: ये तो सब रूद्रमाला के मणके हैं।

जिज्ञासु: बाद में आने वाले सब रानी हैं?

बाबा: हाँ जी।

जिज्ञासु: जो किसीके पीछे-पीछे आयेंगी, किसी को देखके?

बाबा: हाँ जी।

Student: What is the time of her arrival?
Baba: What is the time of revelation?
Student: That is what I am asking Baba; what is the time of revelation of the queen bee?
Baba: *Arey*, hasn't the time of revelation come in your intellect so far?
Student: She will come with big groups.
Baba: When one becomes pure, everyone becomes pure. When one becomes sinful, everyone becomes sinful.
Student: It means that it is the same time of 2018.
Baba: Certainly. That itself will be called *Bhaagwat*[1]. Now it is not *Bhaagwat*. Are all bulls emerging now or are cows emerging?
Student: The bulls are emerging.
Baba: All these are the beads of the *Rudramala.*
Student: Are all those who come later on queens?
Baba: Yes.
Student: Those who will come after following someone, after seeing someone?
Baba: Yes.

समयः 23.15-26.12

जिज्ञासुः बाबा बोलते हैं सबसे बड़ा योग है। तुम्हारा पापकर्म भस्म योग से होता है।

बाबाः ठीक है।

जिज्ञासुः एक तो मनन-चिंतन करके सार निकालना है।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः एक प्वाईन्ट से भी मुरली बन जाती है।

दूसरा जिज्ञासु: सार में भी विस्तार आ जाता है।

बाबा: ठीक है।

दूसरा जिज्ञासु: तो दोनों एक ही है कि अलग-2 है? यही पूछ रहे हैं।

बाबाः जितना हम बिंदु रूपी स्टेज में टिकेंगे उतना विस्तार स्वतः ही हो जायेगा। विस्तार में अलग से जाने की दरकार नहीं है। विस्तार तो स्वतः ही होता रहता हैं। लेकिन बिजरूप बनने में सारी मेहनत हैं। आत्मिक स्थिति स्थित होने में ही सारी मेहनत है। आत्मिक स्थिति में स्थित होना ये ही तपस्या है। जब हम आत्मा बन जायेंगे। मान लो, हमने 24 घन्टे मे अगर 8 घन्टे बिजरूपी स्टेज में रहे। तो समझलो सम्पन्नता हो गई सारा ज्ञान बुद्धि मे आ जायेगा आटोमाटिक। स्वतः ही विस्तार हो जायेगा।

Time: 23.15-26.12
Student: Baba says, *yog* is the highest subject. Your sins are burnt through *yog*.
Baba: It is correct.
Student: One thing is to think and churn and bring out the essence.
Baba: Yes.
Student: A Murli can emerge from just one point.
Another student: The expansion is included in the essence.
Baba: It is correct.

---
[1] Story of eloping

Another student: So, are both the things the same or different? This is what she is asking.
Baba: The more we become constant in the stage of the point, the more the expansion will take place automatically. There is no need to go into expansion separately; expansion takes place automatically. But the entire hard work is involved in becoming seed-form. The entire hard work is involved in becoming constant in the soul conscious stage. Becoming constant in the soul conscious stage itself is *tapasya*. When we become souls. Suppose we remained in the seed-form stage for 8 hours out of 24 hours, then consider that you have reached perfection. The entire knowledge will come in your intellect automatically. The expansion will take place automatically.

जिज्ञासु: 8 घन्टा तक बाबा कोई दूसरा संकल्प नहीं चलना चाहिए?
बाबा: नहीं। सिर्फ बिंदु, मैं आत्मा ज्योतिबिंदु मेरा बाप ज्योतिबिंदु। अरे, उतना तो छोड़ो, एक घन्टे, आधा घन्टे करके ही दिखा दें।
जिज्ञासु: बाबा जो बोला भक्तिमार्ग में कि एक घड़ी आधी घड़ी इसीके लिए बोला गया है?
बाबा: वो एक घड़ी आधी घड़ी संग के लिए बोला है। परमात्मा बाप का संग बना रहे, एक का संग बना रहे और कोई दूसरे की याद न आये। वो एक घड़ी आधी घड़ी, आधी में पुनि आध।

Student: Baba, should no other thought emerge for 8 hours?
Baba: No. Just point; I am a soul, a point of light and my father is a point of light. *Arey*, leave aside that subject. Prove yourself by doing it at least for an hour or half an hour.
Student: Baba, it has been said in the path of *bhakti* '(remembering God for) one moment, half a moment; has it been said for this?
Baba: That one moment, half a moment has been said for the company. There should be the company of the Supreme Soul Father; there should be the company of One and you should not remember anyone else. That [is called] one moment, half a moment and half of even that half a moment.

समयः 28.40-29.50
जिज्ञासुः बाबा जो राजा होता है, वो राजा को कम से कम एक लाख, दो लाख प्रजा निकालना चाहिए ऐसा बोला है बाबा।
बाबाः ठीक है।
जिज्ञासुः तो ये जो बाबा का परिचय देने का जो बाहर की जो दुनियां है उनको भी गिना जाएगा क्या? एक लाख-दो लाख प्रजा सबको कैसे क्या परिचय देंगे?
बाबाः जिनको संदेश देते जाते हैं भगवान आया हुआ है, दुनियां का विनाश होने वाला है, नई दुनिया आने वाली है, तीन बातें किसी के बुद्धि में बैठी तो जैसे संदेश मिल गया। अब वो उसको फॉलो करे या न करे। आज नहीं करेगा आने वाले टाईम में कभी तो करेगा। जब करेगा तो वो प्रजा उस समय तैयार हो जायेगी।

Time: 28.40-29.50
Student: Baba, it has been said that a king should make at least a lakh (hundred thousand) or two lakh (two hundred thousand) subjects to emerge.
Baba: It is correct.

Student: So, when we give Baba's introduction, will the outside world also be counted? How will we give introduction to a lakh or two lakh subjects?
Baba: Those whom we go on giving message that God has come, the world is going to be destroyed, a new world is going to come, if these three subjects sit in someone's intellect then it is as if he got the message. Well, whether he follows it or not [it depends on him]. If he does not follow it today, he will certainly follow it sometime in the future; so, when he starts following it, he will become a subject at that time.

जिज्ञासु: माना एक लाख, दो लाख बनायेंगे जब राजा होंगे तब। ऐसा बोला बाबा ने।
बाबा: जो राजा बनेंगे तो लाख, दो लाख प्रजा तो बनानी ही पड़ेगी। लाख, दो लाख को संदेश तो देना ही पड़े। नहीं तो राजा कैसे कहे जायेंगे।
जिज्ञासु: अच्छा वो जो जब हम संदेश देंगे बाबा का तो वो माने या माने।
बाबा: माने या ना माने।
जिज्ञासु: तो उसको संदेश देना जरूरी हैं ?
बाबा: संदेश तो सभी को देना हैं। ५०० करोड़ को भी संदेश मिलना है।

Student: It means that when we become kings; we will make a lakh or two lakh subjects. Baba has said so.
Baba: Those who become kings will certainly have to prepare a lakh or two lakh subjects. You will certainly have to give the message to a lakh or two lakh [souls]. Otherwise how will they be called kings?
Student: OK, when we give the message of Baba, then [it depends on them] whether they accept it or not.
Baba: [You have to give message to them] whether they accept it or not.
Student: Is it necessary to give them the message?
Baba: You have to give the message to everyone. The message is to be given even to the 500 crore (5 billion) souls as well.

समय: 29.52-31.30
जिज्ञासु: बाबा, आप बोलते हैं मुरली में - सबसे गरीब ते गरीब बच्चो को देखता हूँ।
बाबा: गरीब निवाज बाप आया हुआ हैं।
जिज्ञासु: तो फिर हीरे जवाहरात व्यापार करने वाले ब्रह्मा को क्यों साक्षात्कार कराया?
बाबा: तो वो कहाँ नर से नारायण बना? वो नर से नारायण बना? बना? नहीं बना। काम निकालने के लिए लेते हैं उनको साहूकारों को। साहूकारों को किसलिये उठाते हैं?
जिज्ञासु: काम निकालने के लिए।
बाबा: काम निकालने के लिए उठाया। काम निकल गया चलो बैठो एक तरफ। वो थोड़े ही नर से नारायण बनते हैं। ये बात ब्रह्माकुमारियों को समझाओ।
जिज्ञासु: सुनेंगे नहीं बाबा।
बाबा: सुनना तो पड़ेगा।

Time: 29.52-31.30
Student: Baba, you say in the Murli that you care for the poorest children.
Baba: The Father who is a patron of the poor has come.
Student: So, then why did He show visions to Brahma, who was a diamond merchant?
Baba: He did not transform from a man to Narayan. Did he change from a man to Narayan? He did not. He takes them, the prosperous to manage the task. Why are the prosperous ones uplifted?
Student: To manage the task.
Baba: He was uplifted to manage the task. When the task was accomplished, then they are asked to sit aside. They do not change from a man to Narayan. Explain this subject to the Brahmakumaris.
Student: Baba, they will not listen.
Baba: They will have to listen.

जिज्ञासु: बाबा जो संदेश देते हैं, जो बी.के. वाले बहने रहते हैं ना, सेंटरों में बैठती हैं, या तो....
बाबा: जो भी हैं।
जिज्ञासु: वहाँ जाके हम सेवा कर सकते हैं की नहीं...
बाबा: क्यों नहीं कर सकते?
जिज्ञासु: ायरेक्ट सेन्टर में जाके ?
बाबा: जाओ करो। अकेले में सुनाओ सबके सामने नहीं सुनेंगे वो। सबके सामने उनको देहभान आयेगा। जब सब जिज्ञासु चले जायें तब अकेले में बात करो।

Student: Baba, the message that we give to the BK sisters who live in centers, either…
Baba: Whatever it is.
Student: Can we go and do the service there?
Baba: Why not?
Student: Can we go directly to the center?
Baba: Go and do [the service]. Narrate [the knowledge] to them when they are alone. They will not listen to it in front of everyone. They will become body conscious in front of everyone. When all the students leave, talk to them in solitude.

समयः 38.40-40.40
जिज्ञासुः गीता पाठशाला में कोई आत्मा जाती है बार-बार ठुकराई जाती है उसमे।
बाबाः गीता पाठशाला में?
जिज्ञासुः जी। बिना गल्ती के।
बाबा: गीतापाठशाला हैं कोई और कोई आत्मा वहाँ बार-बार जाती हैं और ठुकराई जाती हैं।
जिज्ञासु: बिना गल्ती के।
बाबा: हाँ बिना गल्ती के। तो? ऐसा क्यों होता हैं?
दूसरा जिज्ञासु: जाउ कि नहीं जाउं, क्या करें - जायें कि नहीं जायें?

Time: 38.40-40.40
Student: A soul goes to the *gitapathshala* and is turned down again and again from there.
Baba: From the *gitapathshala*?

Student: Yes, without any mistake.
Baba: There is a *gitapathshala* and if a soul goes there again and again and is turned down again and again.
Student: Without any mistake.
Baba: Yes, without any mistake. So? [Do you mean to ask] why does it happen so?
Another Student: Should she go or not go? What should she do?

बाबा: ठुकराई जाती है तो क्यों जाना? जहाँ से धक्का मिलता हैं वहाँ जाने की दरकार ही क्या हैं? भक्तिमार्ग में धक्के खाते हैं। बाबा धक्के थो□□ही खिलाते हैं। बाबा का परिचय मिला, बाबा का अगर परिचय मिल गया तो घर बैठे भी याद कर सकते हैं। घर बैठे भी मुरली मंगाय सकते हैं और अभी तो जितने जिज्ञासु हैं वो सब जिज्ञासुओं के घर में गीतापाठशाला खोलनी प□□गी। दुनियां में इतना ज्ञान फैल जायेगा कि समझाने वाले टिचर नहीं कूजेंगे। तो तुमको खूद भी तो गीतापाठशाला में बैठकर के टीचर बनना हैं कि नहीं बनना? इसलिए तुमको धक्का मिल रहा तो कोई बात नहीं। जब शिवबाबा ही आता हैं जिस तन, मुकर्रर रथ में उसको ही धक्का मिलता है, तो तुमको मिला तो क्या ब□ी बात हुई? तुम तो और ही भाग्यशाली हो गई। पां□वो को धक्का मिलता है कि कौरवों, यादवों को?
जिज्ञासु: पां□वों को मिलता है।
बाबा: पां□वों को धक्का मिलता है। धक्का मिलता है तो पां□व परमात्मा बाप से प्राप्ति कर लेते हैं। पूर्व जन्म के पाप खलास हो जाते हैं। राजाओं ने कम धक्के दिये हैं क्या? राजाओं ने तो पब्लिक को इतने धक्के दिये हैं कि बात मत पूछो। तो हिसाब किताब पूरा हो रहा है। तुमने वहाँ धक्के दिये होंगे तो यहाँ तुम धक्के खाओ। क्या मुसीबत आ गई?

Baba: If you are being chased away, why should you go? There is no need to go to a place where you receive blows. People suffer blows in the path of *bhakti*. Baba does not make you wander. You got Baba's introduction, if you have received Baba's introduction, you can remember Him even while sitting at home. You can ask for Murlis even while sitting at home. And now *gitapathshalas* will have to be opened at the homes of all the students. The knowledge will spread so much in the world that there will not be enough teachers to explain. So, should you also become teachers of *gitapathshalas* or not? This is why if you are being pushed away, do not mind it. When even the body, the permanent chariot in which Shivbaba Himself comes suffers blows, then is it a big issue if you suffer blows? You are even more fortunate. Do the Pandavas suffer blows or do the Kauravas and Yadavas suffer blows?
Student: The Pandavas suffer blows.
Baba: The Pandavas suffer blows. When they suffer blows, the Pandavas achieve attainments from the Supreme Soul Father. Their sins of the past birth end. Did the kings shove away people any less? The kings shoved away the public so much that don't even ask. So, the accounts are being settled. You must have shoved them away there (in the broad drama); so, suffer blows here; what is the problem?☺

………………………………………………………………………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.